भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3677

03 अप्रैल, 2023 को उत्तर के लिए

इस्पात संयंत्रों की स्थापना

3677. श्री सतीश चंद्र दूबे:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बिहार के वैशाली और गया जिले में सेल द्वारा स्थापित किए जाने वाले संयंत्रों की क्या स्थिति है जिनका शिलान्यास वर्ष 2008 में हुआ था, तत्संबंधी लागत-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का देश में और अधिक इस्पात संयंत्र स्थापित करने का विचार है; और

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है, नए संयंत्र कब तक स्थापित कर दिए जाएंगे और उनकी अवस्थिति क्या होगी तथा उसमें शामिल लागत क्या होने वाली हैं और इन संयंत्रों पर कितनी राशि अभी तक व्यय की जा चुकी हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)

(क): वैशाली जिले के महनार तथा गया जिले में इस्पात प्रसंस्करण इकाई (एसपीयू) की स्थापना से संबंधित प्रस्ताव को इस्पात क्षेत्र में परिवर्तित परिस्थिति के कारण आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं पाया गया। इसे क्रमश: वर्ष 2018 और 2019 में वापिस ले लिया गया। एसपीयू महनार और एसपीयू गया की स्थापना के लिए किया गया कुल व्यय भूमि की लागत सहित क्रमश: 2.28 करोड़ और 1.53 करोड़ रुपये रहा है।

(ख) और (ग): इस्पात के एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र होने के कारण किसी भी राज्य में इस्पात संयंत्रों की स्थापना के संबंध में निर्णय संबंधित इस्पात कंपनियों/निवेशकों द्वारा वाणिज्यिक सोच-विचारों और बाजार के कारकों के आधार पर लिए जाते हैं। इस्पात संयंत्र की स्थापना से संबंधित लागत का वहन संबंधित उद्योगों द्वारा उनके अपने संसाधनों से किया जाता है। देश में इस्पात क्षेत्र के विकास के लिए सरकार एक सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करती है।

****